आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 105 | उज्जैन, शुक्रवार 07 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

आयोग ने कहा मध्यप्रदेश का भविष्य है सुरक्षित हाथों में अगले पांच साल में प्रदेश के वर्तमान बजट को करेंगे दोगुना

अगले तीन साल में हम 30 लाख किसानों को देंगे सोलर पम्प

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्यों के सशक्तिकरण में ही राष्ट्र का सशक्तिकरण है, इसलिए केन्द्रीय करों और राजस्व प्राप्तियों में राज्यों की हिस्सेदारी अर्थात् अनुदान बढ़ाया जाना चाहिए। राज्य अपनी क्षमता और सीमित संसाधनों से ही अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए काम करते हैं। केन्द्र सरकार से अधिक वित्तीय अनुदान मिलने से राज्य अपने दीर्घकालीन लक्ष्यों को अल्पकाल में ही प्राप्त कर सकेंगे। विकसित भारत का निर्माण, विकसित मध्यप्रदेश के बिना नहीं हो सकता, इसलिए केन्द्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत से बढ़ाकर 48 प्रतिशत तक की जाए। इससे राज्य सशक्त होंगे और राष्ट्र को विकास की ले जाने में सहायक होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश एक बड़ा राज्य है, इसलिए इसकी जरूरतें भी बड़ी हैं। लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना ही केन्द्र और राज्य सरकारों का लक्ष्य है। केन्द्र और राज्यों के बेहतर तालमेल और आपसी सामंजस्य से यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आयोग के राज्य के दीर्घकालिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता का जिक्र कर वित्त आयोग से प्रदेश की अपेक्षाओं से भी अवगत कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक प्रगतिशील राज्य है। प्रदेश कृषि, अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, वन, पर्यटन, नगरीय विकास और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

लव मैरिज की जिद पर अड़ी थी बेटी, पिता ने मारकर पेड़ पर लटकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर से एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 55 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी बेटी को उससके प्रेम संबंध को लेकर मौत के घाट उतार दिया। इतना नहीं, उसने अपनी बेटी को फांसी पर लटकाया और उसका शव जला दिया। इस मामले की जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुंतकल शहर के टी रामंजनेयुलु ने अपनी बेटी टी भारती (20) को 1 मार्च को दोपहर करीब 1 बजे कासापुरम गांव में एक सुनसान जगह पर फांसी पर लटका दिया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद उसने उसके शरीर पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी।

पुलिस ने पीटीआई को बताया कि लड़की का नाम भारती था, उसके माता पिता के मुताबिक, वह उनकी बात नहीं सुनती थी और वह अपने प्रेमी से काफी जुड़ी हुई थी। उसने आत्महत्या करके मरने की धमकी भी दी थी और अपनी मां से बात करने से बचती थी। उससे परेशान होकर उसका पिता उसे एक मार्च को कसापुरम ले गया और एक पेड़ से लटका दिया। भारती पिछले पांच साल से अपने बॉयफ्रेंड से प्यार करती थी। पुलिस के अनुसार, जब उनके माता-पिता को इस संबंध के बारे में पता चला, तो दोनों परिवारों ने इसे अस्वीकार कर दिया।

90 दिन में 25 करोड़ दो नहीं तो जेल जाओगी, सोना घोटाले की आरोपी को सुप्रीम कोर्ट का अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोना घोटाले की आरोपी नोहेरा शेख के मामले पर सुनवाई की। नोहेरा शेख हीरा गोल्ड एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर है। नोहेरा शेख पर 5,600 करोड़ रुपये के बड़े गोल्ड स्कैम का आरोप है।

उन पर लाखों निवेशकों को धोखा देने का आरोप है, इस कारण कई राज्यों में उनके खिलाफ FIR दर्ज हुई हैं।सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को आदेश दिया कि अगर वह 90 दिनों के अंदर निवेशकों से इकट्ठा की गई राशि का एक हिस्सा यानी 25 करोड़ रुपये वापस नहीं करती हैं, तो उन्हें हिरासत में ले लिया जाए।

क्या बोला कोर्ट- न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि शेख 11 नवंबर, 2024 से अदालत के लगातार आदेशों की अवहेलना कर रही हैं।

इसके बाद पीठ ने ईडी को आदेश दिया कि अगर वह 90 दिनों के अंदर निवेशकों से लिए पैसों का एक हिस्सा यानी 25 करोड़ रुपये वापस नहीं करती हैं तो उन्हें हिरासत में ले लिया जाए।

कश्मीर को लेकर पाकिस्तानी पत्रकार के किस सवाल पर भड़के जयशंकर? सुर्खियों में विदेश मंत्री का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर छह दिवसीय ब्रिटेन-आयरलैंड की यात्रा पर हैं। ब्रिटेन पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर ने चैथलम हाउस में एक थिंक टैंक के कार्यक्रम में उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर बड़ी बेबाकी से अपनी बात रखी। दरअसल, कश्मीर को लेकर निसार नामक एक पाकिस्तानी पत्रकार ने विदेश मंत्री से एक सवाल पूछा। सवाल का जवाब सुनकर पाकिस्तानी पत्रकार की बोलती बंद हो गई।

कश्मीर को लेकर विदेश मंत्री का सीधा जवाब- विदेश मंत्री जयशंकर के जवाब का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। पाकिस्तानी पत्रकार ने पूछा कि कश्मीर का मसला सुलझ क्यों नहीं रहा है। भारत ने कश्मीर पर अवैध रूप से कब्जा जमा रखा है। डोनाल्ड ट्रंप के साथ पीएम मोदी के दोस्ताना रिश्ते हैं। क्या इन रिश्तों का इस्तेमाल करके पीएम नरेंद्र मोदी कश्मीर की समस्या का हल निकाल सकते हैं। कश्मीर में 70 लाख लोग हैं, उन्हें नियंत्रित करने के लिए 10 लाख तैनात हैं।

पाकिस्तानी पत्रकार के इस सवाल पर विदेश मंत्री ने कहा, हम कश्मीर की समस्या का समाधान निकाल चुके हैं। इस दिशा में हमने कदम भी उठाया है। पहला यह है कि आर्टिकल 370 हटाया जा चुका है। इसके अलावा दूसरा कदम ये है कि हमने आर्थिक ग्रोथ के लिए कदम उठाया है। इससे जम्मू कश्मीर में तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि तीसरा कदम सोशल जस्टिस का है।÷ विदेश मंत्री ने कहा कि कश्मीर में अब किसी भी तरह के सामाजिक अन्याय की जगह नहीं है। हमने कश्मीर के मुद्दे को पूरी तरह सुलझा लिया है।

आईआईटी मद्रास की बड़ी कामयाबी, बैलिस्टिक मिसाइलों से इमारतों को बचाने वाला सिस्टम किया विकसित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बुनियादी ढांचे को मिसाइलों के हमले से बचाया जा सकेगा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), मद्रास के शोधकर्ताओं ने ऐसा फ्रेमवर्क विकसित किया है जो बैलिस्टिक मिसाइलों के खतरे का सामना करने के लिए देश में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा मजबूत कर सकता है। शोधकर्ताओं की योजना है कि इसी फ्रेमवर्क की मदद से ऐसा हल्का, कम खर्च वाला और टिकाऊ बैलिस्टिक-प्रूफ मटेरियल बनाया जाए, जिसे सेना सीमा पर बंकर बनाने में इस्तेमाल कर सके। अक्सर बैलिस्टिक मिसाइलों से बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचता है। यह फ्रेमवर्क या ढांचा डिजाइनरों को मजबूत कंक्रीट (आरसी) के पैनलों के बैलिस्टिक प्रतिरोध को बेहतर बनाने के लिए नया समाधान विकसित करने में मदद करेगा। अनुसंधान के निष्कर्ष प्रतिष्ठित पत्रिका रिलाइएबिलिटी इंजीनियरिंग एंड सिस्टम सेफ्टी में प्रकाशित हुए हैं। कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन तकनीक का उपयोग करते हुए अनुसंधानकर्ताओं ने आरसी पर मिसाइलों के प्रभाव का अध्ययन किया, जो सैन्य बंकरों, परमाणु ऊर्जा भवनों और पुलों से लेकर रनवे तक महत्वपूर्ण संरचनाओं के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली मुख्य सामग्री है। आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर अलागप्पन पोन्नालगु ने कहा, इन संरचनाओं के रणनीतिक महत्व के कारण इन्हें बचाना आवश्यक है।

ट्रेड वार में देश के लिए बड़ी संभावनाएं देख रहा संघ...

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से शुरू वैश्विक ट्रेड वार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके समवैचारिक संगठनों ने भारत के लिए नई संभावनाओं के तौर पर चिह्नित कर सक्रियता बढ़ा दी है। यह इसलिए कि देश की 140 करोड़ की आबादी, सरकार के प्रयासों से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम व बड़ा श्रमबल मेक इन इंडिया फॉर ग्लोबल के लिए मुफीद है, माहौल अनुकूल है। ऐसे में ट्रेड वार के मामूली झटकों से निकलकर अपनी क्षमता बढ़ाते हुए वैश्विक मंच पर भारतीय उत्पादों की धाक बढ़ाई जा सकती है। संघ संगठनों के अनुसार, इसके लिए गुणवत्ता, तकनीक, कौशल के साथ अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) पर तेजी से काम करने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार की जो कार्य योजना 10 वर्ष बाद के लिए थी, उसे अभी से प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

हमने तुरंत ऐक्शन लिया; जयशंकर की सुरक्षा में चूक पर भारत भड़का तो ब्रिटेन ने दी सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की सुरक्षा में बुधवार को एक गंभीर उल्लंघन हुआ, जब खालिस्तानी समर्थकों ने सुरक्षा में सेंध मारते हुए जयशंकर की तरफ बढ़ने की कोशिश की। साथ ही भारत विरोधी नारे लगाए। हालांकि, मेट्रोपोलिटन पुलिस ने तुरंत ऐक्शन लेते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। इस घटना पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया आई थी। अब पूरे घटनाक्रम पर ब्रिटेन सरकार ने भी बयान दिया। उसने कहा है कि घटना अस्वीकार्य है और हमने उस वक्त तुरंत ऐक्शन लिया था। इससे पहले भारत ने कहा था कि वह उम्मीद करता है कि ब्रिटेन अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारियों का पालन करेगा। गुरुवार को ब्रिटेन ने कहा है कि लंदन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के सुरक्षा उल्लंघन के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की, और अराजकतत्वों को चेतावनी दी कि ÷किसी भी तरह के धमकी देने या डराने की कोशिशें÷ अस्वीकार्य हैं। यह घटना बुधवार को तब हुई, जब जयशंकर 'चैथम हाउस' में एक संवाद सत्र के समापन के बाद वहां से निकल रहे थे। 'चैथम हाउस' 'रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स' का मुख्यालय है। इस दौरान एक खालिस्तानी समर्थक ने बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की, जबकि अन्य ने भारत विरोधी नारे लगाए। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, मेट्रोपोलिटन पुलिस ने इस स्थिति से निपटने में त्वरित कार्रवाई की और घटना की कड़ी निंदा की। भारत ने इस घटना पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा कि वह उम्मीद करता है कि मेज़बान सरकार इस तरह के मामलों में अपने कूटनीतिक दायित्वों का पूरी तरह से पालन करेगी। भारत ने खालिस्तानी तत्वों द्वारा ÷लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं का दुरुपयोग÷ की भी निंदा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, हमने विदेश मंत्री की ब्रिटेन यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन का वीडियो देखा है। हम इस छोटे से अलगाववादी और उग्रवादी समूह की उकसाने वाली गतिविधियों की निंदा करते हैं। यह पहली बार नहीं है जब खालिस्तानी तत्वों ने सुरक्षा उल्लंघन किया हो।

अब सैन्य विमान से अवैध प्रवासियों को नहीं भेजेगा अमेरिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अवैध प्रवासियों के मामले में अब ट्रंप प्रशासन बैकफुट पर है। सैन्य विमानों से भारत समेत विभिन्न देशों में प्रवासियों को छोड़ने वाले अमेरिका ने नया कदम उठाया। अब सैन्य विमानों से अमेरिका अवैध प्रवासियों को वापस नहीं भेजेगा। भारी भरकम खर्च और लंबी दूरी की यात्रा के बाद ट्रंप प्रशासन ने यह कदम उठाया है। 1 मार्च को आखिरी बार अमेरिकी सैन्य विमान ने अवैध प्रवासियों के साथ उड़ान भरी थी।

लंबी दूरी तय करनी पड़ रही- रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सैन्य विमान मेक्सिको के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। इस वजह से उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। सैन्य विमान वाणिज्यिक फ्लाइट की तुलना में कम लोगों को अपने साथ ले जा रहे हैं। इस वजह से सैन्य उड़ानों का करदाताओं पर अधिक बोझ पड़ रहा है।

भारी भरकम खर्च से परेशान अमेरिका- अमेरिका में अवैध प्रवासियों की निगरानी का काम होमलैंड सुरक्षा विभाग करता है। इन अवैध प्रवासियों को वाणिज्यिक उड़ानों से वापस भेजा जाता है। मगर ट्रंप प्रशासन ने सख्त संदेश देने के चक्कर में सैन्य विमानों का इस्तेमाल किया। भारत जाने वाली तीन सैन्य उड़ानों पर अमेरिका को 30 लाख डॉलर खर्च करने पड़े। ग्वांतानामो तक लोगों को पहुंचाने पर अमेरिका को हर प्रवासी पर 20000 डॉलर तक खर्च करना पड़ा। भारी पड़ा सी-17 विमान का इस्तेमाल

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक एक अमेरिकी आव्रजन उड़ान की लागत प्रति घंटे 8500 डॉलर होती है। अंतरराष्ट्रीय यात्राओं पर यह आंकड़ा प्रति घंटे 17000 डॉलर तक हो जाती है। मगर सी-17 सैन्य विमान को उड़ाने की लागत हर घंटे 28500 डॉलर है। ट्रंप प्रशासन ने अवैध प्रवासियों को वापस भेजने में सी-17 विमान का ही इस्तेमाल किया।

42 उड़ानों से ही हांफ उठा अमेरिका- फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक अमेरिका ने अवैध प्रवासियों को निकालने में सी-17 की 30 और सी-130 की लगभग 12 उड़ानें संचालित की। इन सैन्य उड़ानों से अवैध प्रवासियों को पनामा, इक्वाडोर, पेरू, भारत, ग्वाटेमाला, होंडुरास और ग्वांतानामो बे भेजा गया। अमेरिका अभी तक 344 भारतीयों को वापस भेज चुका है।

इन देशों ने नहीं उतरने दिया अमेरिकी विमान- मेक्सिको, कोलंबिया और वेनेजुएला ने अमेरिका सैन्य विमानों को अपने क्षेत्र में उतरने की मंजूरी नहीं दी। इन देशों ने अपने विमान खुद अमेरिका भेजे और अपने नागरिक को वापस लाए। फरवरी में वेनेजुएला ने दो विमानों को अमेरिका भेजा था। जनवरी में कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने दो अमेरिकी विमानों को अपने क्षेत्र में उतरने नहीं दिया।

मैं भूल गया असली जेडी वेंस कैसा दिखता है, जेलेंस्की से बहस के बाद अमेरिका के उपराष्ट्रपति को लेकर वायरल हुए ये Memes

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ हुए यूक्रेन विवाद के बाद विरोध का सामना करना पड़ा है। वर्मोंट में वेंस अपने परिवार के साथ स्की ट्रिप पर गए थे, जहां सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की और प्रो-यूक्रेन नारे भी लगाए। अब इसके बाद से उनको लेकर सोशल मीडिया पर मीम्स की बौछार हो गई है।

सोशल मीडिया यूजर्स ने वेंस का मजाक उड़ाते हुए उन्हें इंटरनेट पर एक तमाशा बना दिया। एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे प्लेटफॉर्म पर मीम्स ने उपराष्ट्रपति को अलग-अलग रूपों में दर्शाया - एक अधिक वजन वाले राक्षस से लेकर एक राक्षस तक, और यहां तक कि एक लॉलीपॉप पकड़े हुए बच्चे तक।

जेडी वेंस का अलग वर्जन

कुछ तस्वीरों में जेडी वेंस का एक बहुत ही अलग वर्जन दिखाया गया है, जिसमें मोटे होंठ से लेकर उनकी घनी आईआ ब्रो तक को देखा गया। एक मीम में लिखा- मैं नरम नहीं हूं मैं बहुत घमंडी हूं।

इसके जवाब में जेडी वेंस ने भी पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा- ये लोग बहुत बेवकूफ हैं। हमने वर्मोंट में अपने सप्ताहांत के दौरान बहुत अच्छा समय बिताया। हमने प्रदर्शनकारियों पर ध्यान ही नहीं दिया और हम जिन लोगों से मिले, उनमें से लगभग सभी दयालुता और उदारता से पूर्ण थे।

हजार साल बाद भी असली जेडी वेंस नही आएगा याद

सौ या हजार साल बाद भी इतिहासकार निश्चित रूप से यह नहीं कह पाएंगे कि जे.डी. वेंस असस में कैसे दिखते थे।

नमस्कार दोस्तों, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना पर काम कर रहा हूं और मुझे इस तरह के हर जेडी वेंस की आवश्यकता है, यदि आपके पास कोई है तो कृपया इसके साथ उत्तर दें, धन्यवाद।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आत्मघाती हमला, बाजार में किया गया विस्फोट; पांच की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार जिले में बुधवार को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। विस्फोट से पूरे बाजार में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने बताया कि विस्फोट नाल मार्केट में हुआ और घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

नाल पुलिस स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) बहावल खान पिंड्रानी ने कहा कि विस्फोट एक मोटरसाइकिल से जुड़ी आईईडी को रिमोट डिवाइस द्वारा विस्फोट करने के बाद हुआ। उन्होंने कहा कि विस्फोट नाल मार्केट में हुआ और घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी रफीक सासोली ने कहा कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है और उन्हें मुर्दाघर में पांच शव मिले हैं। खान ने कहा कि बम निरोधक दस्ता मौके पर मौजूद है और घटनास्थल का निरीक्षण कर रहा है। खुजदार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जावेद जहरी ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि विस्फोट बाजार के आसपास के एक कॉलेज के पास हुआ और वाहन भी जल गए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की समय पर कार्रवाई ने बलूचिस्तान के पिशिन इलाके में एक और आतंकवादी हमले को रोक दिया।

दक्षिण कोरिया में अभ्यास के दौरान वायुसेना से बड़ी चूक, अपने ही देश में गिरा दिए 8 बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में वायु सेना की गलती से बड़ी घटना घट गई। वायु सेना के एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान गुरुवार को फाइटर जेट से गलती से आठ बम गिर गए। इस घटना में 15 लोग घायल हो गए। वायु सेना ने इस हादसे की जानकारी दी।

सभी बम फायरिंग रेंज से बाहर गिरे- वायु सेना के अनुसार,यह घटना तब हुई जब केएफ-16 लड़ाकू विमान से आठ एमके-82 बम अनजाने में छूट गए। सभी बम निर्धारित फायरिंग रेंज से बाहर जा गिरे। गनीमत रही कि कुछ नागरिकों को ही चोटें आईं और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वायु सेना ने स्पष्ट किया कि यह एक मानवीय या तकनीकी गलती थी, जिसकी जांच शुरू कर दी गई है।

वायु सेना ने घटना पर जताया अफसोस- वायु सेना के प्रवक्ता ने बयान जारी करते हुए कहा, हमें इस घटना पर गहरा अफसोस है। हम प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताते हैं। घायलों की सटीक संख्या और नुकसान का आकलन अभी जारी है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट्स में कई लोगों के चोटिल होने की बात सामने आई है।

पहले तारीफ की, अब झटका देने की तैयारी में ट्रंप! अमेरिका में पाकिस्तानियों की एंट्री पर लग सकता है प्रतिबंध

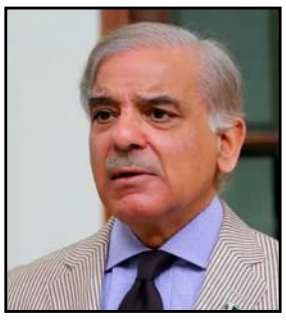

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान का लोगों का अमेरिका में दाखिल होना अब आसान नहीं होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कथित तौर पर सुरक्षा और जांच जोखिमों के कारण दोनों देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाने की योजना बना रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ऐसे आदेश पर साइन कर सकते हैं जिससे अफगानिस्तान और पाकिस्तान के लोगों के अमेरिका में प्रवेश करने पर पाबंदी लग जाएगी। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रतिबंध अलगे सप्ताह से लागू हो सकता है।

गौरतलब है कि हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने एक आतंकी को पकड़वाने में पाकिस्तान और शहबाज सरकारी की तारीफ की थी।

अमेरिका की लिस्ट में कई देश शामिल - रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन ने देशों की सुरक्षा और जोखिमों की जांच के लिए सरकार की समीक्षा के आधार पर यात्रा प्रतिबंध के लिए एक लिस्ट तैयार की है। सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि अन्य देश भी इस लिस्ट में हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने किसी अन्य देश का नाम नहीं बताया।

अफगानिस्तान के लोगों के लिए अमेरिका में प्रवेश करना किसी सपने से कम नहीं है। शरणार्थी के रूप में या विशेष वीजा प्राप्त करने के लिए अफगानिस्तान को लोगों का अमेरिका विशेष जांच करता है।

अधर में लटकी हजारों अफगानों की जिंदगी- अमेरिका के इस प्रतिबंध से उन हजारों अफगानियों पर खतरा मंडरा सकता है, जिन्हें शरणार्थी के रूप में या विशेष आप्रवासी वीजा पर अमेरिका में पुनर्वास के लिए मंजूरी दी गई है। इन लोगों ने अपने देश में रहते हुए तालिबान के खिलाफ अमेरिका को लड़ने में मदद की थी। तालिबान शासन में उनकी जान को खतरा है।

बता दें कि अक्टूबर 2013 में अपने चुनावी अभियान के दौरान भी ट्रंप ने गाजा पट्टी, लीबिया, सोमालिया, सीरिया और यमन जैसे देश के लोगों को सुरक्षा के लिए खतरा बताया था।

6 महीने पहले ही धरती पर लौट सकती थीं सुनीता विलियम्स लेकिन... एलन मस्क ने बाइडन पर फिर लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके अंतरिक्ष के साथी बुच विल्मोर की अब धरती पर वापसी होने वाली है। जानकारी के मुताबिक, इसी महीने 19 मार्च को दोनों पृथ्वी पर लौट आएंगे। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर कुछ हफ्तों के लिए ही अंतरिक्ष पर गईं थीं, लेकिन कैप्सूल में तकनीकी खराबी की वजह से उनकी वापसी में देरी हो गई। पिछले नौ महीने से दोनों अंतरिक्ष यात्री स्पेशल स्टेशन में हैं।

मस्क ने बाइडन पर साधा निशाना - इसी बीच टेस्ला के ष्टश्वह एलन मस्क ने सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी को लेकर बड़ा दावा किया है।

उन्होंने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए लिखा,अंतरिक्ष यात्रियों को वहां केवल 8 दिन रहना था और अब वे 8 महीने से वहां हैं। स्पेसएक्स 6 महीने पहले एक और ड्रैगन भेजकर उन्हें वापस ला सकता था, लेकिन बिडेन प्रशासन व्हाइट हाउस (नासा नहीं) ने इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया। राष्ट्रपति ट्रम्प ने उन्हें जल्द से जल्द वापस लाने के लिए कहा और हम ऐसा कर रहे हैं। बाइन प्रशासन को लेकर अंतरिक्ष यात्री पाम मेलरॉय ने क्या कहा था?

नासा के प्रशासक बिल नेल्सन के अधीन दूसरे स्थान पर रहने वाले पूर्व अंतरिक्ष यात्री पाम मेलरॉय ने एक इंटरव्यू में कहा, चालक दल को जल्दी घर लाने की पेशकश की गई थी, लेकिन यह कभी मुख्यालय नहीं आया।

पाकिस्तानी सेना का दावा, खैबर पख्तूनख्वा में हुए आत्मघाती हमले में अफगानिस्तानी नागरिक शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू में स्थित सेना की छावनी पर मंगलवार शाम को हुए आतंकी हमले को लेकर वहां की सेना ने अफगानिस्तान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि खुफिया रिपोर्टों ने बन्नू में हुए आतंकी हमले में अफगानिस्तान के नागरिकों के शामिल होने की पुष्टि की है।

इस आतंकी हमले में पाकिस्तानी सेना के पांच जवान, 13 आम नागरिक और 16 आतंकवादियों की मौत हो गई। मारे गए आतंकवादियों में चार आत्मघाती हमलावर भी थे। पेशावर से लगभग 200 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में बन्नू छावनी पर हुए आत्मघाती हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने कहा कि वह सीमा पार से उत्पन्न खतरों के जवाब में आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

अफगान सरकार अपनी जिम्मेदारियों को निभाएगी- सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आइएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि इस्लामाबाद को उम्मीद है कि अंतरिम अफगान सरकार अपनी जिम्मेदारियों को निभाएगी और पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए अपनी धरती का इस्तेमाल नहीं होने देगी। आइएसपीआर ने कहा कि साक्ष्य इस तथ्य की ओर भी इशारा करते हैं कि यह हमला अफगानिस्तान से संचालित ख्वारिज सरगनाओं द्वारा निर्देशित और सुनियोजित था।

मोहम्मद शमी ने रोजा न रखकर गलत किया, माफी मांगें, रमजान के महीने में क्रिकेटर को एनर्जी ड्रिंक पीते देख भड़के मौलाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने एक टिप्पणी की है, जिसपर विवाद खड़ा हो गया है। उनके मुताबिक, मोहम्मद शमी ने खेल के दौरान रोजा न रखकर गलत किया।

शमी को लेकर क्या बोले मौलाना- मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा, अनिवार्य कर्तव्यों में से एक रोजा (उपवास) है। अगर कोई स्वस्थ पुरुष या महिला रोजा नहीं रखता है, तो वह एक बड़ा अपराधी होगा। भारत के एक प्रसिद्ध क्रिकेट व्यक्तित्व, मोहम्मद शमी ने मैच के दौरान पानी या कोई अन्य पेय पदार्थ लिया। लोग उन्हें देख रहे थे। अगर वह खेल रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वह स्वस्थ हैं। ऐसी स्थिति में, उन्होंने रोजा नहीं रखा और पानी भी पी लिया। इससे लोगों में गलत संदेश जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि रोजा न रखकर उन्होंने एक अपराध किया है। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

लंदन में जयशंकर की सुरक्षा में चूक पर भड़का विदेश मंत्रालय, इशारों-इशारों में ब्रिटेन को सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर पर हमले की कोशिश की गई। एक खालिस्तान समर्थक ने उनकी कार के सामने आकर तिरंगे का अपमान किया। विदेश मंत्री जयशंकर बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को लंदन के थिंक टैंक चैथम हाउस में भारत का उदय और विश्व में भूमिका विषय पर बातचीत करने पहुंचे थे।

विदेश मंत्री के चैथम हाउस पहुंचने से पहले ही खालिस्तान समर्थक वहां भारत विरोधी नारे लगा रहे थे। उनके हाथों में खालिस्तान के झंडे थे। कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद जब विदेश मंत्री अपनी कार में बैठ चुके थे तो तभी उनकी कार के आगे एक शख्स आ पहुंचे। उसने नारे लगाते हुए तिरंगे झंडे को फाड़ दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। विदेश मंत्रालय ने जताई चिंता

इस घटना पर विदेश मंत्रालय ने चिंता जाहिर की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा, लंदन में चरमपंथियों के गुट ने जो अपराध किया है, उसकी वीडियो हमने देखा। हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं।

घर बनाकर देने होंगे, आर्टिकल 21 भी कोई चीज है, प्रयागराज में बुलडोजर एक्शन पर यूपी सरकार को फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना लोगों के घर गिराए जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने आज (06 मार्च) संज्ञान लिया है। कोर्ट ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई है।

कोर्ट ने प्रयागराज में एक वकील, एक प्रोफेसर और तीन अन्य लोगों के घरों को ध्वस्त करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कड़ी असहमति जताते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाई एक चौंकाने वाला और गलत उदाहरण पेश करती है। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, अनुच्छेद 21 नाम की भी कोई चीज है।

न्यायमूर्ति ओका ने सुप्रीम कोर्ट के हाल के फैसले की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसमें ध्वस्तीकरण से पहले अपनाई जाने वाली प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

न्यायमूर्ति ओका ने राज्य की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि न्यायालय अब राज्य को ध्वस्त संरचनाओं का पुनर्निर्माण करने का आदेश देगा। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, अब हम आपके आदेश देते हैं कि आप अपने खर्च पर पुनर्निर्माण कीजिए, ऐसा करने का यही एकमात्र तरीका है।

न मंगलसूत्र और न ही बिंदी, पति क्यों दिखाएंगे दिलचस्पी, तलाक मांग रही महिला से जज का अनोखा सवाल; वकील भी रह गए दंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक महिला ने अपने पति पर घरेलू हिंसा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। इस मामले पर सुनवाई करते हुए जिला अदालत के न्यायधीश ने एक ऐसी टिप्पणी की, जिसकी काफी चर्चा हो रही है।

जज साहब ने महिला से कहा, मैं देख सकता हूं कि आपने मंगलसूत्र या बिंदी नहीं पहनी है। यदि आप एक विवाहित महिला की तरह व्यवहार नहीं करती हैं तो पति आप में दिलचस्पी क्यों दिखाएंगे।

जज के सवालों से असहज हो गई महिला- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर अंकुर आर. जहागीरदार नाम के यूजर ने इस मामले पर जानकारी देते हुए पोस्ट किया। वे पेशे से वकील हैं। पोस्ट में जानकारी दी गई कि महिला ने अपने पति से अलग होने के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई थी। जज ने उनसे जो सवाल पूछे उससे महिला असहज महसूस करने लगी थी। वकील अंकुर आर. जहागीरदार ने बताया कि जज के अजीबोगरीब टिप्पणी से शादी टूट गई।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, जिला न्यायालयों में बहुत कुछ ऐसा होता है जो किसी भी तर्कसंगत सोच वाले शिक्षित व्यक्ति की अंतरात्मा को झकझोर सकता है। दुर्भाग्य से, मुझे लगता है कि हमारे समाज में कुछ अपमानजनक चीजों के लिए आधारभूत सहनशीलता है।

वकील ने एक और मामले का किया जिक्र- जहागीरदार ने पोस्ट में एक और मामले का जिक्र किया जहां भरण-पोषण विवाद के दौरान जज ने महिला को अजीबोगरीब सलाह दी।

जज ने कहा,अगर कोई महिला अच्छी कमाई कर रही है तो वह हमेशा ऐसे पति की तलाश करेगी जो उससे ज़्यादा कमाता हो। लेकिन एक अच्छा कमाने वाला आदमी तो घर में बर्तन धोने वाली से भी शादी कर सकता है। देखिए पुरुष कितने लचीले होते हैं। आपको भी कुछ लचीलापन दिखाना चाहिए। इतना कठोर मत बनो।

कितनी बार की दुबई की यात्रा? गिरफ्तार रान्या राव बचने के लिए ऐसे देती थी सिक्योरिटी को चकमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव की बिटिया और कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव सोना तस्करी का आरोप में पकड़ी गई है। रान्या को सोने की तस्करी करते हुए बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने ये कार्रवाई की है।

14.8 किलो सोना जब्त- रान्या की गिरफ्तारी के बाद उसके बेंगलुरु में स्थित फ्लैस पर छापेमारी की गई। फ्लैट से करोड़ों रुपये की नकदी और सोना जब्त किया गया। डीआरआई के अधिकारियों ने रान्या को एयरपोर्ट पर 14.8 किलोग्राम सोने की तस्करी करते हुए उस समय गिरफ्तार किया गया था जब वह सोमवार रात दुबई से अमीरात की उड़ान से बेंगलुरु पहुंचीं। उसके पास से जब्त की गई सोने की छड़ों की कीमत 12.56 करोड़ रुपये है। रान्या लगातार दुबई की यात्रा कर रही थी। इस कारण डीआरआई अधिकारी अभिनेत्री की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। डीआरआई अधिकारियों के अनुसार, 14.2 किलोग्राम सोना हाल के दिनों में बेंगलुरु हवाई अड्डे पर सबसे बड़ी जब्ती में से एक है। रान्या की गिरफ्तारी के बाद अधिकारियों ने बुधवार को बेंगलुरु के लावेल रोड स्थित उसके फ्लैट पर छापे मारे, जहां वह अपने पति के साथ रहती हैं। तलाशी में 2.06 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई। वहां उसने कथित तौर पर किराये के रूप में 4.5 लाख रुपये का भुगतान किया था। मामले में अब तक 17.29 करोड़ रुपये की जब्ती की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रान्या वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी है। रामचंद्र राव ने पहली पत्नी की मृत्यु के बाद एक महिला से शादी की थी जिसकी पहली शादी से दो बेटियां हैं। रान्या उनमें से एक है। रामचंद्र डीजीपी रैंक के अधिकारी हैं और इस समय कर्नाटक राज्य पुलिस आवास और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

हिंदी थोपना स्वाभाविक, तमिल की बात करना राष्ट्रविरोधी, भाषा विवाद पर MK Stalin बोले- ये स्वीकार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में हिंदी भाषा को लेकर एक बार फिर विवाद बढ़ गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाषा को लेकर केंद्र पर निशाना साधा है। तीन-भाषा नीति के माध्यम से हिंदी थोपने को लेकर केंद्र पर हमला तेज करते हुए उन्होंने कहा, भाषाई समानता की मांग करना अंधराष्ट्रवाद नहीं है।

एक्स पर एक लंबी पोस्ट में, स्टालिन ने मनोरंजन जगत के दिग्गज फ्रैंकलिन लियोनार्ड के लोकप्रिय कथन का इस्तेमाल किया, जब आप विशेषाधिकार के आदी हो जाते हैं, तो समानता उत्पीड़न जैसी लगती है।

हमें राष्ट्रविरोधी करार देते हैं- डीएमके प्रमुख ने कहा कि उन्हें यह कोट तब याद आता है, जब कुछ कट्टरपंथी लोग तमिलनाडु में तमिलों के सही स्थान की मांग करने के अपराध के लिए हमें अंधराष्ट्रवादी और राष्ट्रविरोधी करार देते हैं।

भाषाई समानता की मांग करना अंधराष्ट्रवाद नहीं- आरएसएस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग गोडसे की विचारधारा का महिमामंडन करते हैं, उनमें डीएमके और उसकी सरकार की देशभक्ति पर सवाल उठाने का दुस्साहस है, जिसने चीनी आक्रमण, बांग्लादेश मुक्ति संग्राम और कारगिल युद्ध के दौरान सबसे अधिक धनराशि का योगदान दिया।

भाषाई समानता की मांग करना अंधराष्ट्रवाद नहीं है। क्या आप जानना चाहते हैं कि अंधराष्ट्रवाद कैसा होता है? अंधराष्ट्रवाद का मतलब है 140 करोड़ नागरिकों पर शासन करने वाले तीन आपराधिक कानूनों का नाम ऐसी भाषा में रखना जिसे तमिल लोग बोल भी नहीं सकते या पढ़कर समझ भी नहीं सकते।

भाषा थोपने से दुश्मनी पैदा होती है- एमके स्टालिन ने कहा कि किसी भी तरह की भाषा थोपने से दुश्मनी पैदा होती है, दुश्मनी एकता को खतरे में डालती है। इसलिए, असली अंधराष्ट्रवादी और राष्ट्रविरोधी हिंदी के दीवाने हैं, जो मानते हैं कि उनका हक स्वाभाविक है, लेकिन हमारा विरोध देशद्रोह है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल अष्टमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

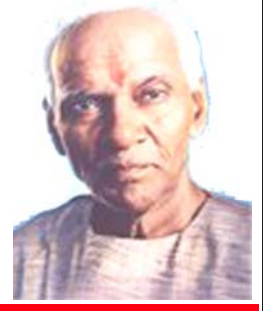

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर फिर एक बार पूरी दुनियाँ को मानना पड़ेगा कि,क्यों अमेरिका को दुनियाँ के बादशाह की संज्ञा दी गई है....

वैश्विक स्तरपर फिर एक बार पूरी दुनियाँ को मानना पड़ेगा कि,क्यों अमेरिका को दुनियाँ के बादशाह की संज्ञा दी गई है। पिछले दिनों हमने देखे कि किस तरह रुस को मोहरा बनाकर यूक्रेन पर दबाव, फिर व्हाइट हाउस में ट्रंप ज़ेलेंसकी की शाब्दिक गर्माहट,अनेक देशों के तख्ता पलट यानी सत्ता की चाबी, इसका नतीजाज जेलेंस्की द्वारा 5 मार्च 2024 को रुस से युद्ध समाप्त करने की हामी भरी और एक चिट्ठी लिखकर इशारा सहित इसके पहले अप्रवासियों को बाहर का रास्ता दिखाना सहित अनेक कठोर कदमों के साथ दिनांक 5 मार्च 2024 को अमेरिकी कांग्रेस को ट्रंप प्रशासन -2 का पहला संबोधन हुआ, जिसमें पाकिस्तान की तारीफ, वैश्विक मुद्दों की चर्चा, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन को ध्यान में रखते हुए भारत चीन सहित अनेकों देशों पर रेसिप्रोकल टैक्स 2 अप्रैल 2025 को लागू करने की घोषणा की, यानें जो देश जितना टैक्स इंपोर्ट पर लगता है उतना ही रिसिप्रोकल टैक्स उसके एक्सपोर्ट पर भी लगाई जाएगी, इसीलिए अनेक देशों में खलबली मची हुई है। अनेक चीजों पर भारत-अमेरिकाएक दूसरे पर निर्भर हैं अगर दोनों एक दूसरे पर उतना टैक्स लगा देंगे तो अत्यधिक महंगाई हो जाएगी जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा वैसी ठीक वैसी ही स्थिति अमेरिका के पास भी उत्पन्न होगी खासकर भारत को फार्मास्यूटिकल प्रौद्योगिकी सहित अनेक क्षेत्रों में अमेरिका के साथ व्यापार होता है जो अमेरिका वालों को सस्ता लगता है इसलिए वे भारतीय चीजों को रिस्पांस देते हैं,परंतु अब इसपर रेसिप्रोकल टैक्स लगने से भारतीय उद्योगों को एमएसएमई सहित जो एक्सपोर्ट करते हैं उनकी बहुत अधिक फजीहत होने की संभावना है, क्योंकि उनका माल अमेरिका नहीं जा सकेगा क्योंकि अमेरिका जो भी जो माल आएगा उसपर भी टैरिफ लगाए आने से इसकी कीमतें बढ़ जाएगी, जिसका अल्टीमेटली फर्क उपभोक्ताओं को ही पड़ेगा, क्योंकि वह चीजें महंगी होंगी तो लोगों की जेब से अधिक पैसे खर्च होंगे इसलिए वे भारतीय चीजें लेना बंद कर देंगे ट्रंप का मानना है कि इसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। मेरा मानना है इसका असर अमेरिका सहित इत्यादि अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी पढ़ सकनें की संभावना है, क्योंकि विश्व में दो विज़न्स का आगाज़ चल रहा है, मेक इन इंडिया तथा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन इसलिए आज मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिका का रेसिप्रोकल टैक्स बम 2 अप्रैल 2025 से लागू, भारत चीन सहित अनेकों देशों में खलबली मचना तय होने की संभावना?

साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा भारत सहित कुछ देशों पर 2 अप्रैल 2025 से रेसीप्रोकल टैक्स लगाने कीघोषणा करने की करें तो, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत को रेसिप्रोकल ट्रैरिफ लगाने की बात को दोहराया है, उन्होंने कहा कि भारत, चीन सहित दुनिया के कई देशों पर 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल ट्रैरिफ लगाया जाएगा, इससे पहले कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत और चीन पर लगे 10 प्रतिशत ड्यूटी को बढ़ाकर 20 प्रतिशत लागू कर दिया था, ट्रंप के इस कदम से ग्लोबल मार्केट में अस्थिरता देखी जा रही है। दरअसल, ट्रंप 5 मार्च 2025 को कांग्रेस के ज्वाइंट सेशन को संभोधित कर रहे थे, उन्होंने इस दौरान अमेरिका रिच अगेन का आह्वान करते हुए इसका ऐलान किया,उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दूसरे देशों की ओरसे अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिसेस को रोकने के लिए यह बेहद जरूरी कदम है। यह फैसला अमेरिका की इंडस्ट्रीज और वर्कर्स को प्रोटेक्ट करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वजह से 2 अप्रैल को लागू होगी नई टैरिफ पॉलिसी,ट्रंप ने कहा, यह सिस्टम संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सही नहीं है।

गोविंद बल्लभ पंत

गोविंद बल्लभ पंत उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी थे। इनका मुख्यमंत्री कार्यकाल 15 अगस्त, 1947 से 27 मई, 1954 तक रहा। बाद में ये भारत के गृहमंत्री भी (1955 -1961) बने। भारतीय संविधान में हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने और जमींदारी प्रथा को खत्म कराने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। भारत रत्न का सम्मान उनके ही गृहमन्त्रित्व काल में आरम्भ किया गया था। बाद में यही सम्मान उन्हें 1947 में उनके स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान देने, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा भारत के गृहमंत्री के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद द्वारा प्रदान किया गया।

जीवन परिचय- अपने संकल्प और साहस के मशहूर पंत जी का जन्म 10 सितम्बर, 1887 ई. वर्तमान उत्तराखंड राज्य के अल्मोड़ा ज़िले के खूंट (धामस) नामक गाँव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इस परिवार का सम्बन्ध कुमाऊँ की एक अत्यन्त प्राचीन और सम्मानित परम्परा से है। पन्तों की इस परम्परा का मूल स्थान महाराष्ट्र का कोंकण प्रदेश माना जाता है और इसके आदि पुरुष माने जाते हैं जयदेव पंत। ऐसी मान्यता है कि 11वीं सदी के आरम्भ में जयदेव पंत तथा उनका परिवार कुमाऊं में आकर बस गया था।

आरम्भिक जीवन - गोविन्द बल्लभ पंत के पिता का नाम श्री मनोरथ पन्त था। श्री मनोरथ पंत गोविन्द के जन्म से तीन वर्ष के भीतर अपनी पत्नी के साथ पौड़ी गढ़वाल चले गये थे। बालक गोविन्द दो-एक बार पौड़ी गया परन्तु स्थायी रूप से अल्मोड़ा में रहा। उसका लालन-पोषण उसकी मौसी धनीदेवी ने किया। गोविन्द ने 10 वर्ष की आयु तक शिक्षा घर पर ही ग्रहण की। 1897 में गोविन्द को स्थानीय रामजे कॉलेज में प्राथमिक पाठशाला में दाखिल कराया गया। 1899 में 12 वर्ष की आयु में उनका विवाह पं. बालादत्त जोशी की कन्या गंगा देवी से हो गया, उस समय वह कक्षा सात में थे। गोविन्द ने लोअर मिडिल की परीक्षा संस्कृत, गणित, अंग्रेज़ी विषयों में विशेष योग्यता के साथ प्रथम श्रेणी में पास की। गोविन्द इण्टर की परीक्षा पास करने तक यहीं पर रहे। इसके पश्चात् इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया तथा बी.ए. में गणित, राजनीति और अंग्रेज़ी साहित्य विषय लिए। इलाहाबाद उस समय भारत की विभूतियां पं0 जवाहरलाल नेहरु, पं0 मोतीलाल नेहरु, सर तेजबहादुर सप्रु, श्री सतीशचन्द्र बैनर्जी व श्री सुन्दरलाल सरीखों का संगम था तो वहीं विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के विद्वान् प्राध्यापक जैनिग्स, कॉक्स, रेन्डेल, ए.पी. मुकर्जी सरीखे विद्वान् थे। इलाहाबाद में नवयुवक गोविन्द को इन महापुरुषों का सान्निध्य एवं सम्पर्क मिला साथ ही जागरुक, व्यापक और राजनीतिक चेतना से भरपूर वातावरण मिला।

कार्यक्षेत्र- 1909 में गोविन्द बल्लभ पंत को क़ानून की परीक्षा में विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम आने पर लम्सडैन स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

1910 में गोविन्द बल्लभ पंत ने अल्मोड़ा में वकालत आरम्भ की। अल्मोड़ा के बाद पंत जी ने कुछ महीने रानीखेत में वकालत की, फिर पंत जी वहाँ से काशीपुर आ गये। उन दिनों काशीपुर के मुक़दमें एस.डी.एम. (डिप्टी कलक्टर) की कोर्ट में पेश हुआ करते थे। यह अदालत ग्रीष्म काल में 6 महीने नैनीताल व सर्दियों के 6 महीने काशीपुर में रहती थी। इस प्रकार पंत जी का काशीपुर के बाद नैनीताल से सम्बन्ध जुड़ा।

सन 1912-13 में पंतजी काशीपुर आये उस समय उनके पिता जी रेवेन्यू कलक्टर थे। श्री कुंजबिहारी लाल जो काशीपुर के वयोवृद्ध प्रतिष्ठित नागरिक थे, का मुक़दमा पंत जी द्वारा लिये गये सबसे पहले मुक़दमों में से एक था। इसकी फ़ीस उन्हें 5 रु0 मिली थी।

1909 में पंतजी के पहले पुत्र की बीमारी से मृत्यु हो गयी और कुछ समय बाद पत्नी गंगादेवी की भी मृत्यु हो गयी। उस समय उनकी आयु 23 वर्ष की थी। वह गम्भीर व उदासीन रहने लगे तथा समस्त समय क़ानून व राजनीति को देने लगे। परिवार के दबाव पर 1912 में पंत जी का दूसरा विवाह अल्मोड़ा में हुआ। उसके बाद पंतजी काशीपुर आये। पंत जी काशीपुर में सबसे पहले नजकरी में नमक वालों की कोठी में एक साल तक रहे।

1913 में पंतजी काशीपुर के मौहल्ला खालसा में 3-4 वर्ष तक रहे। अभी नये मकान में आये एक वर्ष भी नहीं हुआ था कि उनके पिता मनोरथ पंत का देहान्त हो गया। इस बीच एक पुत्र की प्राप्ति हुई पर उसकी भी कुछ महीनों बाद मृत्यु हो गयी। बच्चे के बाद पत्नी भी 1914 में स्वर्ग सिधार गई।

1916 में पंत जी राजकुमार चौबे की बैठक में चले गये। चौबे जी पंत जी के अनन्य मित्र थे। उनके द्वारा दबाव डालने पर पुनःविवाह के लिए राजी होना पडा तथा काशीपुर के ही श्री तारादत्त पाण्डे जी की पुत्री कलादेवी से विवाह हुआ। उस समय पन्त जी की आयु 30 वर्ष की थी।

वकालत का अंदाज़- गोविन्द बल्लभ पंत जी का मुक़दमा लड़ने का ढंग निराला था, जो मुवक्कि़ल अपने मुक़दमों के बारे में सही जानकारी नहीं देते थे, पंत जी उनका मुक़दमा नहीं लेते थे। काशीपुर में एक बार गोविन्द बल्लभ पंत जी धोती, कुर्ता तथा गाँधी टोपी पहनकर कोर्ट चले गये। वहां अंग्रेज़ मजिस्ट्रेट ने आपत्ति की।

संक्षिप्त जीवन परिचय- पन्त जी की वकालत की काशीपुर में धाक थी और उनकी आय 500 रुपए मासिक से भी अधिक हो गई। पंत जी के कारण काशीपुर राजनीतिक तथा सामाजिक दृष्टियों से कुमाऊँ के अन्य नगरों की अपेक्षा अधिक जागरुक था। अंग्रेज़ शासकों ने काशीपुर नगर को काली सूची में शामिल कर लिया। पंतजी के नेतृत्व के कारण अंग्रेज़ काशीपुर को गोविन्दगढ़ कहती थी।

1914 में काशीपुर में प्रेमसभा की स्थापना पंत जी के प्रयत्नों से ही हुई। ब्रिटिश शासकों ने समझा कि समाज सुधार के नाम पर यहाँ आतंकवादी कार्यो को प्रोत्साहन दिया जाता है। फलस्वरूप इस सभा को हटाने के अनेक प्रयत्न किये गये पर पंत जी के प्रयत्नों से वह सफल नहीं हो पाये।

1914 में पंत जी के प्रयत्नों से ही उदयराज हिन्दू हाईस्कूल की स्थापना हुई। राष्ट्रीय आन्दोलन में भाग लेने के आरोप में ब्रिटिश सरकार ने इस स्कूल के विरुद्ध डिग्री दायर कर नीलामी के आदेश पारित कर दिये। जब पंत जी को पता चला तो उन्होंनें चन्दा मांगकर इसको पूरा किया।

1916 में पंत जी काशीपुर की नोटीफाइड ऐरिया कमेटी में लिये गये। बाद में कमेटी की शिक्षा समिति के अध्यक्ष बने। कुमायूं में सबसे पहले निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा लागू करने का श्रेय पंत जी को ही है।

पंतजी ने कुमायूं में राष्ट्रीय आन्दोलन को अंहिसा के आधार पर संगठित किया। आरम्भ से ही कुमाऊं के राजनीतिक आन्दोलन का नेतृत्व पंत जी के हाथों में रहा। कुमाऊं में राष्ट्रीय आन्दोलन का आरम्भ कुली उतार, जंगलात आंदोलन, स्वदेशी प्रचार तथा विदेशी कपडों की होली व लगान-बंदी आदि से हुआ। बाद में धीरे-धीरे कांग्रेस द्वारा घोषित असहयोग आन्दोलन की लहर कुमायूं में छा गयी। 1926 के बाद यह कांग्रेस में मिल गयी।

दिसम्बर 1920 में कुमाऊं परिषद का वार्षिक अधिवेशन काशीपुर में हुआ। जहां 150 प्रतिनिधियों के ठहरने की व्यवस्था काशीपुर नरेश की कोठी में की गई। पंतजी ने बताया कि परिषद का उद्देश्य कुमाऊं के कष्टों को दूर करना है न कि सरकार से संघर्ष करना।

23 जुलाई, 1928 को पन्त जी नैनीताल ज़िला बोर्ड के चैयरमैन चुने गये। 1920-21 में भी चैयरमैन रह चुके थे।

पंत जी का राजनीतिक सिद्धान्त था कि अपने क्षेत्र की राजनीति की कभी उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। 1929 में गांधी जी कोसानी से रामनगर होते हुए काशीपुर भी गये।

SIP क्या है? इसके कॉन्सेप्ट को समझें, फायदे जानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। निवेश करने की सलाह देने वाले बहुत लोग होंगे। कुछ सलाह महत्वपूर्ण होती हैं, तो कुछ गैर-जरूरी भी। कुछ कहेंगे कि आप इक्विटी में निवेश करें, तो कुछ म्यूचुअल फंड में भरोसा दिखाएंगे और SIP के जरिए निवेश करने की सलाह देंगे। सही और गलत का फैसला आपका अनुभव और निवेश में ज्ञान ही करेगा। लेकिन यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं और पारंपरिक तरीकों से हटकर नए तरीके अपनाना चाहते हैं, तो SIP एक बहुत अच्छा विकल्प हो सकता है।

SIP क्या है- नौकरीपेशा लोगों के पास आमतौर पर एक साथ बड़ी रकम निवेश करने का विकल्प नहीं होता। वे छोटे अमाउंट से निवेश की शुरुआत करना चाहते हैं। दीपक का मानना है कि SIP एक शानदार कॉन्सेप्ट है। आप किसी म्यूचुअल फंड में SIP के जरिए अपने निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। इसके लिए एकमुश्त राशि निवेश करने की जरूरत नहीं होती। इसमें रिस्क कम होता है और समय के साथ बेहतर रिटर्न मिल सकता है।

SIP के फायदे

1. रिस्क डायवर्सिफिकेशन- यदि आपका निवेश डायवर्सिफाइड है, तो आपका जोखिम काफी हद तक कम हो सकता है। SIP के जरिए आप किसी एक स्टॉक या सेक्टर पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश करते हैं। स्टॉक में आप SIP का औसत निकालकर एकमुश्त निवेश की तुलना में बेहतर रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

2. नियमितता और अनुशासन- निवेश में अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण होता है। SIP आपको नियमित रूप से निवेश करने के लिए प्रेरित करता है और आपको अपने फाइनेंशियल गोल्स को प्राप्त करने में मदद करता है। जब आप हर महीने एक निश्चित राशि निवेश करते हैं, तो आपका कोष धीरे-धीरे बढ़ता है और लंबे समय में अच्छा रिटर्न मिलता है।

3. हर किसी के लिए एक्सेसिबल- SIP के जरिए हर कोई निवेश कर सकता है। इसके लिए बहुत ज्यादा पूंजी की जरूरत नहीं होती। यदि आपके पास ?500 या ?1,000 की छोटी राशि है, तो भी आप अपनी निवेश यात्रा शुरू कर सकते हैं। यह सीमित संसाधनों वाले व्यक्तियों को भी अपनी संपत्ति व्यवस्थित रूप से बढ़ाने का मौका देता है।

सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल, निफ्टी ने तोड़ा 10 दिनों की गिरावट का सिलसिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार ने बुधवार को मजबूती दिखाई। बीएसई सेंसेक्स 740 अंकों की बढ़त के साथ 73,730.23 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 254.65 अंक चढ़कर 22,337.30 पर पहुंच गया। लगातार 10 दिनों की गिरावट के बाद बाजार में आई इस तेजी ने निवेशकों को राहत दी। सेंसेक्स ने दिनभर के कारोबार में 943.87 अंकों की छलांग लगाते हुए 73,933.80 का उच्चतम स्तर छुआ। इसी तरह निफ्टी ने 312.25 अंकों की बढ़त के साथ 22,394.90 के स्तर तक पहुंचने के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ।

अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, आईटीसी, नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, एसबीआई, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक और जोमैटो के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

इस उछाल के पीछे कई अहम कारक रहे। वैश्विक बाजारों में मजबूती देखने को मिली। इससे भारतीय बाजार में भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा। एक प्रमुख कारण यह भी रहा कि अमेरिकी प्रशासन के कुछ टैरिफ कम करने की संभावनाओं ने निवेशकों को राहत दी।

ट्रंप के पारस्परिक शुल्क से निपटने के तरीकों पर विचार कर रहा भारत, जल्द निकलेगा समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पारस्परिक शुल्क की धमकी से वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध छिड़ने की आशंकाओं बीच भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के तहत चुनौती का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने की कोशिश कर रहा है।

ट्रंप ने दो अप्रैल से पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की- मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिकी उत्पादों पर ज्यादा शुल्क लगाने के लिए यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा के साथ भारत का भी उल्लेख किया। अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति के अनुरूप ट्रंप ने कई ऐसे व्यापारिक साझेदारों पर दो अप्रैल से पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की, जो अमेरिका से आयात पर उच्च शुल्क लगाते हैं।

मामले से परिचित लोगों ने वाशिंगटन में 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप द्वारा व्यक्त की गई प्रतिबद्धता का हवाला देते हुए कहा कि भारत को समाधान खोजने का भरोसा है।

बातचीत से निकलेगा हल- बैठक में दोनों पक्ष इस साल के अंत तक एक व्यापार समझौते पर बातचीत करने और व्यापार घाटे को कम करने के लिए 2030 तक वार्षिक व्यापार में 500 बिलियन डॉलर का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने पर सहमत हुए। मोदी-ट्रंप वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि इस स्तर के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक नई और निष्पक्ष व्यापार शर्तों की आवश्यकता होगी।

कैसे काम करता है टैरिफ वॉर? पढ़ें किसपर पड़ता है व्यापार युद्ध का सबसे बुरा असर- चीन, मेक्सिको और कनाडा के उत्पादों पर अमेरिका का टैरिफ मंगलवार से लागू हो गया है। माना जा रहा है कि इसी के साथ दुनिया टैरिफ वॉर के दौर में प्रवेश कर गई है। आइये जानते हैं कि टैरिफ क्या है और यह कैसे काम करता है?

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बाजार में सोने की कीमतों में बुधवार को 300 रुपये की तेजी आई। इससे यह 89,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में मजबूती और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के कारण देखी गई। इससे पहले मंगलवार को सोना 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 20 फरवरी को सोना अब तक के अपने रिकॉर्ड स्तर 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर कमोडिटी एनालिस्ट सौमिल गांधी के अनुसार, बुधवार को सोने की कीमतों में लगातार तीसरे दिन बढ़ोतरी हुई। इसकी प्रमुख वजह सुरक्षित निवेश की ओर रुझान और अमेरिकी डॉलर में नरमी है, जिससे पीली धातु को समर्थन मिला है।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने नया टैरिफ लगाया है। उसके जवाब में कनाडा और चीन ने भी कुछ अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ा दिया है। इससे ट्रेड वॉर तेज होने की आशंका बढ़ गई है। इस स्थिति में निवेशकों का झुकाव सुरक्षित संपत्तियों की ओर बढ़ रहा है, जिससे सोने की मांग में इजाफा हुआ है।

सोने की तरह ही चांदी की कीमतों में भी जबरदस्त उछाल आया। मंगलवार को 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद होने के बाद, चांदी बुधवार को 1,000 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 99,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ घटाने में भारत का फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर टैरिफ वॉर (व्यापारिक युद्ध) शुरू करने के बाद अमेरिका ने आगामी दो अप्रैल से भारत के साथ पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है। फैसले को लागू करने में ट्रंप प्रशासन की तत्परता को देखते हुए भारत के साथ पारस्परिक शुल्क को लागू करना तय माना जा रहा है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अमेरिका से आने वाले औद्योगिक वस्तुओं के शुल्क को कम कर देता है या खत्म कर देता है, तो इससे भारतीय निर्यात में ही बढ़ोतरी होगी।

कृषि संबंधित आइटम पर भारत औसतन 37 प्रतिशत शुल्क वसूलता है, लेकिन किसानों से जुड़े होने के नाते कृषि आइटम से जुड़े शुल्क को कम करना मुश्किल दिख रहा

है। विशेषज्ञ पारस्परिक शुल्क को दो तरह से लागू करने की बात कह रहे हैं। एक तरीका यह होगा कि मान लीजिए कृषि आइटम पर भारत औसतन 37 प्रतिशत शुल्क वसूलता है और अमेरिका अभी पांच प्रतिशत शुल्क लेता है। आइटम के आधार पर पारस्परिक शुल्क वसूलने पर अमेरिका भी भारत के कृषि आइटम पर औसतन 37 प्रतिशत का शुल्क वसूलेगा।

पारस्परिक शुल्क लगाने का दूसरा तरीका यह है कि भारत लगभग 80 अरब डॉलर का अमेरिका को निर्यात करता है और अमेरिका लगभग 40 अरब डॉलर का करता है तो अमेरिका की कोशिश होगी कि व्यापार बढ़ाकर इस अंतर को कम किया जाए और शुल्क वसूली से होने वाली दोनों देशों की कमाई में भी अंतर नहीं रहे। ऐसे में भारत अमेरिका से पहले की तुलना में पेट्रोलियम पदार्थों का अधिक आयात कर सकता है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (फियो) के आगामी अध्यक्ष एस.सी. रल्हन कहते हैं कि टेक्सटाइल आइटम पर भारत अमेरिका के लिए अपने शुल्क जीरो कर देता है तो भारतीय गारमेंट व लेदर पर भी अमेरिकी बाजार में जीरो शुल्क हो जाएगा और इससे फायदा यह होगा कि भारतीय उत्पाद अमेरिका के बाजार में वियतनाम, कंबोडिया व बांग्लादेश की तुलना में सस्ते हो जाएंगे और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम के निर्यात पर भारत से अमेरिका सिर्फ 0.4 प्रतिशत का शुल्क वसूलता है जबकि भारत अमेरिका से इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम के लिए 7.64 प्रतिशत का शुल्क लेता है। भारत अगर इसे शून्य कर देता है तो अमेरिका में भारतीय मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स पर कोई शुल्क नहीं लगेगा और निर्यात और बढ़ जाएगा।

भारत में बढ़ रही रईसी, 191 हुई अरबपतियों की संख्या

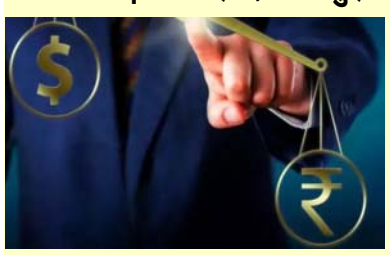

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लोबल रियल एस्टेट कंसल्टेंट कंपनी नाइट फ्रैंक का कहना है कि एक करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति वाले उच्च नेटवर्थ भारतीयों की संख्या पिछले साल छह प्रतिशत बढ़कर 85,698 हो गई। नाइट फ्रैंक ने बुधवार को अपनी %द वेल्थ रिपोर्ट-2025% जारी की। इसमें अनुमान लगाया गया है कि भारत में उच्च नेटवर्थ वालों (एचएनडब्ल्यूआई) की संख्या बढ़कर 2024 में 85,698 होने का अनुमान है जबकि पिछले साल यह 80,686 थी। कंपनी ने कहा कि 2028 तक यह संख्या बढ़कर 93,753 पर पहुंचने की उम्मीद है।

अब सिर्फ अमेरिका और चीन आगे- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वैश्विक स्तर पर 3.7 प्रतिशत एचएनआई रहते हैं और वर्तमान में यह अमेरिका (9,05,413), चीन (4,71,634) और जापान (1,22,119) के बाद चौथे स्थान पर है। उच्च नेटवर्थ वाले लोगों की बढ़ती संख्या देश की मजबूत दीर्घकालीन आर्थिक वृद्धि, बढ़ते निवेश अवसरों और विकसित हो रहे लग्जरी बाजार को दर्शाती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

असीरगढ़ किले के पास सोने के सिक्के तलाशने के लिए ग्रामीणों ने खोद डाले कई एकड़ के खेत

बुरहानपुर। जमीन में दबे मुगलकालीन सोने-चांदी के सिक्कों का भंडार तलाशने के लिए इन दिनों असीरगढ़ किले के आसपास सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण खोदाई कर रहे हैं। इनकी संख्या पांच सौ से ज्यादा बताई जा रही है। सांझ ढलते ही ग्रामीण टार्च, फावड़ा, कुदाली, मिट्टी छानने का छन्ना और भोजन-पानी लेकर पहुंच जाते हैं। इसके बाद रात दो से तीन बजे तक सोने की तलाश का काम जारी रहता है। इनमें पुरुषों के साथ महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल होते हैं।

मुगलकालीन सिक्के मिलने का दावा

टार्चों की रोशनी के कारण असीरगढ़ किले के आसपास के खेतों में रात के समय दूर से कोई बस्ती होने का आभास होता है। ग्रामीणों की मानें तो कई लोगों को मुगलकालीन सोने के सिक्के मिले हैं, लेकिन कोई खुल कर नहीं बोल रहा है। बताया जाता है कि कुछ लोग स्वर्ण भंडार तलाशने के लिए मेटल डिटेक्टर का उपयोग तक कर रहे हैं। दिन के उजाले में खेतों में दूर-दूर तक हजारों की संख्या में केवल गड्ढे ही नजर आते हैं। हालांकि इस संबंध में अब तक पुलिस और प्रशासन की कोई कार्रवाई सामने नहीं आई है।तीन माह पूर्व हुई थी खुदाई की शुरुआत

असीरगढ़ किले के पास सिक्कों के लिए खोदाई का सिलसिला करीब तीन माह पूर्व तब शुरू हुआ था।

तब इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाइवे पर चल रही खुदाई में सोने के सिक्के मिलने की अफवाह फैली थी।

सूत्रों के अनुसार इस दौरान दो किसानों को चार किलो सोना मिला था, लेकिन पुलिस की जांच में कुछ भी सामने नहीं आया था।

इसके बाद से किले के आसपास के खेतों में खोदाई का काम शुरू हो गया था।

बीते दस दिन से यह सिलसिला तेज हो गया है। अब वहां करीब पांच सौ लोग खोदाई के लिए पहुंच रहे हैं।मुगलकाल में किले के पास था टकसाल

पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (डीएटीसी) के सदस्य शालिकराम चौधरी और कमरुद्दीन फलक के अनुसार मुगलकाल में असीरगढ़ किले के पास सोने व चांदी के सिक्के ढालने वाला टकसाल हुआ करता था।

इसके चलते इसके आसपास बड़ी मात्रा में सिक्के रखे जाते थे। बताया जाता है कि युद्ध के दौरान इसके नष्ट हो जाने के कारण कई जगह स्वर्ण भंडार दबा रह गया।

यही अब लोगों को खोदाई में मिल रहा है। शालिकराम चौधरी बताते हैं करीब ढाई सौ साल तक वहां टकसाल था।

इसमें मुगलकाल से सिंधिया काल तक सिक्के ढलते थे। दुर्लभ वस्तुओं के संग्रहकर्ता डा. मेजर गुप्ता व अन्य लोगों के पास भी ऐसे सिक्के मौजूद हैं।

उन्होंने मांग की है कि प्रशासन को मेटल डिटेक्टर के माध्यम से इस स्वर्ण भंडार को खोज कर राजकोष में जमा कराना चाहिए।हम मौके पर जाकर देखेंगे कि क्या स्थिति है। यदि ऐसा कुछ पाया जाता है तो विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा आगे की कार्रवाई की जाएगी। ऐतिहासिक सिक्के सरकार की धरोहर होते हैं।

- विपुल मेश्राम, प्रभारी अधिकारी पुरातत्व विभाग।

हमने पूर्व में प्रशासन को चेताया था कि सोने के लालच में कोई बड़ी घटना हो सकती है, लेकिन अफसरों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। अब फिर सैकड़ों लोग खोदाई करने पहुंच रहे हैं। इसका अर्थ है कि कुछ तो गड़बड़ है।

- अजय रघुवंशी, पूर्व प्रदेश महासचिव कांग्रेस।

स्कूल में बच्चों को पीटने वाले शिक्षक रहें सतर्क, सरकार ने कर ली है कार्रवाई की तैयारी

भोपाल। प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में अब विद्यार्थियों के साथ मारपीट या शारीरिक सजा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। आदेश का पालन न करने वाले शिक्षकों व प्राचार्यों पर अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर अनुशंसा की थी। इस संबंध में विभाग ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने ऐसी शिकायतें आने पर संबंधित शिक्षकों को कार्रवाई के लिए कहा है।

जिलों में होने वाली ऐसी घटनाओं की जानकारी भी तत्काल विभाग को भेजे जाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने शारीरिक दंड पर प्रतिबंध और कठोर कार्रवाई के निर्देश जारी किए। इसके लिए बाल आयोग ने चार फरवरी को स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र लिखा था।

स्कूल और शिक्षक के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई-डीपीआई ने निर्देश जारी करते हुए विद्यार्थियों के साथ स्कूलों में शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना और भेदभाव की शिकायतों पर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।निर्देश में कहा है कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत शारीरिक, मानसिक प्रताड़ना और भेदभाव पूरी तरह से प्रतिबंधित है और यह धारा 17 (2) के तहत दंडनीय अपराध भी है।

इसके अलावा, आईपीसी की धारा 323 के तहत शारीरिक दंड पर प्रतिबंधित है। पत्र में कहा है कि सभी जिलों में चल रहे सरकारी और निजी स्कूलों में मारपीट, शारीरिक दंड जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रयास किए जाएं। सभी डीईओ को यह निर्देश भी जारी किए गए हैं कि किसी भी स्कूल या शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को शारीरिक दंड या पीटने जैसे मामलों में तत्काल कार्रवाई करते हुए कानूनी कार्रवाई भी की जाए।

आखिरी पेपर के बाद स्कूल में खेली होली, रंग छुड़ाने तालाब में नहाने गए दो छात्र डूबे

जबलपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में गोपाल बाग तलैया में दो छात्र डूब गए। तालाब के तट पर छात्रों के मिले कपड़े से घटना का पता चला। आसपास के लोगों ने कपड़े देख तो कुछ देर पहले वहां स्कूली छात्रों के होने की जानकारी दी। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला आठवीं की बोर्ड परीक्षा खत्म होने पर कुछ छात्रों ने होली खेली थी, उसके बाद रंग छुड़ाने के लिए वे तलैया में नहाने के लिए आए थे, इसी दौरान दो छात्र डूब गए।छात्रों के स्वजन भी पहुंच गए पुलिस ने एसडीआरएफ की सहायता से तलाश की। देर रात तक डूबे छात्रों का पता नहीं चल सका। इस दौरान मौके पर आसपास के लोगों के साथ ही छात्रों के स्वजन भी पहुंच गए। तालाब के पानी में डूबने वाले छात्रों का नाम वैभव कोरी (14) और पवन कोरी (14) हैं, दोनों हनुमानताल क्षेत्र के निवासी हैं।

दोनों तमरहाई स्कूल में कक्षा आठवीं के विद्यार्थी हैं। बुधवार को आठवीं कक्षा का अंतिम प्रश्न पत्र था। परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्रों के साथ होली खेली और वे तलैया में नहाने पहुंच गए।

आसपास के लोगों ने बुधवार की देर शाम को तलैया के किनारे एक टी-शर्ट, एक शर्ट और एक-एक जोड़ी जूते व चप्पल दिखी। आस-पास कोई नहीं था, पूछने पर कुछ देर पहले दो छात्रों को नहाते देखे जाने की बात पता चली। अनहोनी से घबरा लोगों ने पुलिस को सूचना दी, उसके बाद तलाश शुरू हुई।

सालाना 12 लाख रुपये पर ले जाते थे किशोर, शादियों में चोरी करना था टारगेट

राजगढ। दिल्ली में क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे गिरोह को पकड़ा है, जो 9 से 15 साल के किशोरों से शादियो में चोरियां करवाता था। गिरोह मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के बोला थाना इलाके के गुलखेड़ी गांव से चलाया जा रहा था। इसमें किशोरों को शामिल करने के बादल उनके परिवार को सालाना 10 से 12 लाख रुपये का लालच दिया जाता था।

क्राइम ब्रांच की एक टीम ने तीन आरोपितों की गिरफ्तारी और एक नाबालिग को पकड़ने के साथ %बैंड बाजा बारात% गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ये लोग शादी समारोहों से शगुन, गहने और नकदी से भरे हुए बैग चुराते थे।क्राइम ब्रांच ने इसके साथ शादी समारोहों में हुई चोरी के तीन केस को सुलझाने का दावा भी किया है। इनके कब्जे से चोरी की गई 2,14,00 रुपए कैश, एक मोबाइल फोन, एक जोड़ी पायजेब, 4 जोड़ी चुटकी और एक कमरबंद बरामद किए गए हैं। इनके पास से बरामद सभी गहनें चांदी के बताए जा रहे हैं।

क्राइम ब्रांच के मुताबिक गिरोह, मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले से आता था और दिल्ली सहित उत्तर भारत में भव्य शादी समारोह में चोरी की वारदात को अंजाम देता था। दिल्ली में शादियों में हुई चोरी की तीन घटनाओं में ये गिरोह शामिल था।इधर... पांच रुपये के लिए एक व्यक्ति को ब्लेड मार दी समपीस्थ गांव गिंदौरहाट में दो लोगों में बीड़ी खरीदने के लिए रुपये मांगने की बात पर विवाद हो गया। विवाद में महज पांच रुपये के लिए एक व्यक्ति को ब्लेड मार दी गई, जिससे वह चोटिल हो गया। पुलिस ने बताया कि बाबूलाल पिता श्यामलाल वर्मा (45) निवासी गिंदौरहाट ने आरोप लगाया कि मेरे साथ राजू पिता रामसिंह वर्मा निवासी गिंदौरहाट ने मारपीट की। गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। उसने बताया कि पांच रुपये की बीड़ी खरीद लेने की बात पर उसने मारपीट की।गेहूं देने से मना करने पर बहू ने सास को पीटा ब्यावरा गेहूं देने से मना करने पर समीपस्थ गांव तलावली में बहू ने सास के साथ मारपीट की। सास ने ब्यावरा सिटी थाना पहुंचकर बहू के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत पर आरोपित बहू के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध किया है।

तलावली निवासी कंचन बाई पति स्व. अमृतलाल वर्मा ने आरोप लगाया कि कल्ली बाई पति शिव वर्मा ने मारपीट की। मैं मजदूरी पर गई थी, तभी बहू आई और बोली कि उसे मजदूरी में आने वाले गेहूं मुझे दे देना। मैंने मना किया तो विवाद करने लगी और मारपीट पर उतारू हो गई।

127 संस्थाओं के कर्मचारियों ने किया काम बंद, कलम बंद व ताला बंद अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की

देवास। मप्र सहकारी संस्थाएं कर्मचारी महासंघ ने अपनी लंबित मांगों के समर्थन में 5 मार्च से अनिश्चितकालीन हडताल शुरू कर दी है। महासंघ जिलाध्यक्ष ठा. जवालसिंह सेंधव ने बताया कि जिला स्तर पर आयोजित हडताल का पहला दिन देवास जिलेभर में सफल रहा।

सहकारी संस्थाओं से जुड़े किसान, उपभोक्ता, आमजन के सभी कार्य बंद रहे। जिले में शाखा स्तर पर बैठे 127 संस्थाओं के कर्मचारियों ने काम बंद, कलम बंद व ताला बंद की मुहिम को आगे बढाते हुए धरना स्थल पर बैठकर शासन-प्रशासन के नाम विरोध प्रदर्शन किया। हडताल के कारण जिले की समस्त सहकारी समितियां और राशन वितरण केंद्र प्रभावित हुए। देवास नगर के मंडी प्रांगण ब्रांच देवास में धरना स्थल पर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष इंदरसिंह गौड़ के के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया गया।

इसी प्रकार सोनकच्छ ब्रांच के समस्त कर्मचारी संगठन के बैनर तले जिला सहकारी बैंक शाखा के सामने ही धरना देकर बैठे रहे और नारेबाजी की।

इस दौरान कर्मचारी संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष शुक्ला, संगठन जिला सचिव बहादुर सिंह भाटी, संगठन जिला कमेटी के सदस्य धर्मेन्द्र सिंह चौबारा सहित ब्रांच अध्यक्ष उपाध्यक्ष व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। शाखा खातेगांव में महेंद्र सिंह राजावत, शाखा कन्नौद में जगदीश शर्मा एवं संतोष जोशी, शाखा कांटाफोड़ में विजय कुमार जोशी एवं राजा मीणा, सतवास में प्रदेश प्रतिनिधि मोहनलाल जाट, शाखा बागली में राजेश सिंह राजपूत एवं जीवन गोस्वामी के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया गया।

इसी के अंतर्गत जिले के हाटपीपल्या, डबलचौकी, बरोठा, भौंरासा, विजयगंज मण्डी, पीपलरावां, देवगढ़ सहित अन्य स्थानों पर संस्था कर्मचारियों द्वारा शासन के विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगे मनवाने के लिए बडी संख्या में धरना स्थल पर उपस्थित हुए। यह हडताल निरंतर रूप से जारी रहेगी।

वन्य जीव दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

देवास। महारानी पुष्पमाला राजे पवार शासकीय कन्या महाविद्यालय देवास में इको क्लब के माध्यम से व्याख्यान का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को प्राकृतिक उपादान एवं वन्य जीवन के संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ भरत सिंह गोयल के मार्गदर्शन में इको क्लब प्रभारी डॉक्टर शर्मिला काटे ने प्रकृति में वन्य जीवों के महत्व को बताते हुए ,उनकी घटती हुई जनसंख्या पर चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि प्रकृति में वन्य जीवों का बहुत महत्व है , किस प्रकार हम वन्य जीवों का संरक्षण कर सकते हैं।

इस बारे में विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर प्रमोद परिहार ने कहा कि वन्य जीवों से ही प्रकृति का संतुलन होता है, इनके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है। डॉ नेहा उपाध्याय ने छात्राओं को बताया कि गर्मी के दिनों में सकोरे में पानी रखकर पशु- पक्षियों का संरक्षण किया जा सकता है । प्रोफेसर प्रीति तगाया ने छात्राओं के मध्यअपने विचार साझा करते हुए बताया कि सभी वन्य जीवों के जीवन एवं उनके प्राकृतिक आवास का संरक्षण उचित रूप से होना चाहिए। महाविद्यालय की छात्रा महकदीप नेरनिया ने इस अवसर पर छात्राओं को बताया कि मानव जीवन को सुरक्षित रखने में वन्यजीवों का महत्वपूर्ण योगदान होता है अतः हम सभी को इसके संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। आरती कारपेंटर ने छात्राओं को बताया कि वन्य जीवों का संरक्षण करने के लिए हम सभी को शपथ लेनी चाहिए। उक्त कार्यक्रम में प्रो. चारुशीला भोसले, डॉ. उज्ज्वला बाबर, प्रो.शर्मिला काटे, प्रो.अनीता भाना, प्रो.लोकेश जारवाल, विजय योगी, ललित टेलर, ऋतिक केवट, राधा पांडे, पवित्रा बाई, प्रेम बाई, सरजू बाई, कृष्णा बाई, मीना घावरी, प्रभुलाल बरोड़ उपस्थित रहे।

जनसुनवई मे नागरिकों से प्राप्त आवेदनों को महापौर ने निराकरण के लिये भेजा

देवास। प्रति बुधवार को नागरिकों की निगम संबंधि समस्याओं के निराकरण हेतु महापौर जनसुनवाई के अन्तर्गत बुधवार 5 मार्च को महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा निगम बैठक हाल मे जनसुनवाई की गई। महापौर को नागरिकों द्वारा वार्ड 2 वृन्दावन धाम सीवरेज लाईन की समस्या, विभिन्न स्थानों पर अवैध रूप से मछली विक्रय बंद करवाने, वार्ड 10 अनुकुल नगर मे दूषित जल प्रदाय की समस्या, संपत्तिकर का त्रुटीपूर्ण बील की समस्या, वार्ड 33 राधागंज मे पानी कम दबाव से मिलने व अन्य समस्याओं के आवेदन दिये गये। महापौर ने प्राप्त आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा मे किये जाने के निर्देश दिये। महापौर गीता अग्रवाल ने विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, पार्षद प्रतिनिधि रामचरण पटेल, उपायुक्त देवबवाला पिपलोनिया के साथ 5 खाद्य व अखाद्य लायसेंसों का वितरण व्यवसाईयों को किया। इस अवसर पर निगम लेखा अधिकारी दिलीप गर्ग, सहायक यंत्री जगदीश वर्मा, दिनेश चौहान, विजय जाधव, स्वास्थ्य अधिकारी जितेन्द्र सिसोदिया, घनश्याम चावडा, आशीष जोशी, भाजपा नेता विपुल अग्रवाल, जितेन्द्र जायसवाल आदि सहित नागरिकगण व व्यवसाई उपस्थित रहे।

भारतीय मजदूर संघ का प्रदेश स्तरीय युवा सम्मेलन भोपाल में सम्पन्न

देवास। भारतीय मजदूर संघ प्रदेश कार्यालय ठेंगड़ी भवन भोपाल में युवा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकास कार्य दक्षता के साथ राष्ट्र हित की भावना से ओतप्रोत युवा कार्यकर्ताओ की फौज तैयार करना है इसी विषय पर कार्यक्रम में पधारें हुए अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। युवा सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रहलाद सिंह पटेल, पंचायत ग्रामीण विकास श्रम मंत्री म.प्र. शासन, अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ संजयसिंह ने की विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीकृष्ण प्रताप सिंह एवं क्षेत्रीय संगठन मंत्री सुनील किरवई उपस्थित रहे।

जिले में परिवहन विभाग द्वारा स्कूल बसों की जांच के लिए चलाया जा रहा है विशेष अभियान

देवास। कलेक्टर श्री ऋषुराज सिंह के निर्देशानुसार परिवहन विभाग द्वारा जिले में संचालित होने वाली स्कूल बसों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत हाटपीपल्या एवं बागली क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में संचालित हो रहे शैक्षणिक संस्थानों के स्कूल बसों की जॉच की गई ।

चेकिंग कार्यवाही के दौरान देवास जिले के हाटपीपल्या एवं बागली तहसील के ओक्ट्री पब्लिक स्कूल हाटपीपल्या, किड्स टेम्पल स्कूल, ऑक्सफोर्ड स्कूल हाटपीपल्या, मॉ उमिया स्कूल करनावद, परफेक्ट इंग्लिश स्कूल हाटपीपल्या, सेंट जॉन स्कूल हाटपीपल्या, वसुन्धरा पब्लिक स्कूल पुंजापुरा, स्वामी विवेकानन्द स्कूल पुंजापुरा, गायत्री स्कूल पुंजापुरा तथा रानी मारिया स्कूल उदयनगर एवं मार्ग पर संचालित अन्य शैक्षणिक संस्थान के लगभग 82 स्कूल बसों को चैक किया गया।

जिसमें माननीय सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुरूप मापदण्ड पूर्ण होने संबंधी जॉच की गई। जांच में 21 वाहनों के दस्तावेजों में अनियमितताएं पाए जाने पर चालानी कार्यवाही की तथा 01 लाख 03 हजार रुपए का शमन शुल्क वसूल किया। चेकिंग के दौरान स्कूल बस संचालकों को निर्देशित किया गया कि अपनी-अपनी वाहनों को माननीय सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुसार निर्धारित मापदण्ड पूर्ण करने पर तथा निर्धारित दस्तावेज पूर्ण होने पर ही मार्ग पर संचालित करें। साथ ही क्षेत्र में संचालित होने वाली वाहनों को चेककर वाहन स्वामियों को निर्देशित किया गया कि वे अपनी वाहनों के पीयूसी प्रमाण पत्र मान्यता प्राप्त प्रदूषण जॉच केन्द्र से शीघ्र बनवा लेंवे। आगामी कार्यवाही में पीयूसी नहीं पाए जाने पर दण्डात्मक चालानी कार्यवाही की जावेगी। परिवहन विभाग द्वारा मार्ग पर वाहनों की चेकिंग कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

जनता को भिखारी बताने वाले सत्ता में बैठे मुख्यमंत्री, मंत्री अपने पद से इस्तीफा दे- कांग्रेस

देवास। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री पटवारी के निर्देश पर आज पूरे प्रदेश में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई देवास में जिले के नियुक्त प्रवक्ता अमित चौरसिया ने बुधवार को पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा जनता को भिखारी बताए जाने की उनकी ओछी मानसिकता घृणानात्मक निष्कृष्ट सोच और भाजपा सरकार की महिला, किसान ,युवा और जन विरोधी नीतियों के विरोध में मीडिया के समक्ष जनता की आवाज को बुलंद करने का निर्णय कांग्रेस पार्टी द्वारा लिया गया। श्री चौरसिया ने कहा कि भा ज पा सरकार ने 20 वर्षों में प्रदेश को बदहाली असुरक्षा और अपमान के गर्त में धकेल दिया है अब तो हालत यह हो गए है की जनता को भगवान बताकर वोट बटोरने वाली भाजपा सरकार महिलाओं बुजुर्गों किसानों युवाओं विद्यार्थियों और दिव्यांग जनों को भिखारी बता रही है। सत्ता के नशे में चूर पंचायत विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के द्वारा यह कहना कि एक फूल माला लेकर साथ में मांग का आवेदन लेकर भिखारी की तरह आ जाते हैं यह उनके अहंकार को दर्शाता है यह सीधे-सीधे जनता का अपमान है प्रजातंत्र में इस तरह की भाषा और व्यवहार का कोई स्थान नहीं है । कांग्रेस ने पूछा है की उनकी बात पर सरकार और मंत्री पटेल जवाब दे की प्रदेश के लोगों को युवाओं को महिलाओं को सशक्त बनाने के बजाय उनका अपमान क्यों कर रहे है। इसी के साथ श्री चौरसिया ने कहा कि 6 तारीख को 12 बजे शहर जिला कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस के संयुक्त तत्वाधान में मंत्री प्रहलाद पटेल का पुतला जलाया जाएगा 8 मार्च को जिला मुख्यालय पर धरना देकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप कर मंत्री पहलाद पटेल से इस्तीफा की मांग की जाएगी 10 मार्च को प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी उमंग सिंगार हेमंत कटारे प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान की मौजूदगी में किसान कांग्रेस द्वारा प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन आयोजित किया गया है 11 से 15 मार्च तक कांग्रेस के मोर्चा संगठन विभागों के अध्यक्षों द्वारा मध्य प्रदेश शासन के विभागीय मंत्रियों से विभाग संबंधी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया जाएगा। पत्रकार वार्ता में प्रमुख रूप से शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी, अशोक पटेल शौकत हुसैन ,भगवान सिंह, चावड़ा ,सुधीर शर्मा, चंद्रपाल सिंह सोलंकी ,प्रमोद सुमन, इम्तियाज शेख़ भल्लू, राहुल पवार ,पंकज वर्मा दिग्विजय सिंह झाला उपस्थित थे।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

मई 25 तक अमृत मिशन 1 अंतर्गत आने वाले नालों को ट्रक मेंन से जोड़ा जाए-कलेक्टर

उज्जैन । कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने गुरूवार को प्रशासनीक संकुल भवन के सभा कक्ष में शहरी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि भक्त निवास के पास पंपिंग स्टेशन के निर्माण के लिए कार्य योजना तैयार की जाए। अथर्व होटल एवं गऊघाट सम्प को ट्रक मेंन से जोड़ा जाए। मई 25 के अंतिम सप्ताह तक अमृत मिशन 1 अंतर्गत आने वाले नालों को ट्रक मेंन से जोड़ा जाना सुनिश्चित किया जाए। आगामी सिंहस्थ 2028 महापर्व के अर्न्तगत मेला क्षैत्र के लिए 100 एमएलडी निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति के लिए जल्द से जल्द भेजा जाए। सदावल एसटीपी प्लांट को भी सिंहस्थ 2028 में फंक्शनल रखा जाए।

जिन स्थानों पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जाना है, उक्त मार्गो पर सिवरेज लाइन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। गाड़ी अड्डा से बड़ा पुल तक चौड़ीकरण होने वाले मार्ग में 20 मार्च से आवश्यक संसाधन बढ़ाकर सिवरेज लाइन का कार्य पूर्ण किया जाए। प्रति दिवस 300 हाउसहोल्ड नल कनेक्शन का कार्य किया जाए। सिवरेज लाइन डाले जाने वाले मार्गो पर ट्रैफिक डायवर्जन सुनिश्चित किया जाए। एनएचएआई से परमिशन लेकर स्ङक्कएप्रोच रोड का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए। सीवरेज पंपिंग स्टेशन पर भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण कर एप्रोच रोड को पूर्ण किया जाए। जिन स्थानों पर सीवरेज पाइपलाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है, उन स्थानों पर रोड स्टेशन का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए।

अमृत मिशन 2.0 की समीक्षा के अंतर्गत कलेक्टर महोदय द्वारा निर्देश दिये गए कि, परियोजना की डिजाइन एंड ड्राइंग की स्वीकृति मार्च 2025 के अंतिम सप्ताह तक की जाना सुनिश्चित करें। स्वीकृति उपरांत जिन स्थानों पर इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन अथवा पंपिंग स्टेशन के निर्माण के लिए उपयोग में आने वाली भूमि के अधिग्रहण की कार्यवाही प्रारंभ कर जल्द से जल्द पूर्ण की जाए। अधीक्षण यंत्री एवं कार्यपालन यंत्री अन्य सम्बंधित विभागों से ली जाने वाली स्वीकृति के संबंध में समन्वय स्थापित कर जल्द से जल्द पूर्ण करें। डिजाइन एवं ड्राइंग स्वीकृति के पश्चात एक सप्ताह में कार्य प्रारंभ किया जाए। नए मार्गो का निर्माण एवं जिन स्थानों पर चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है, उन स्थानों पर पाइपलाइन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 8-9 मार्च को पुणे में होगा द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय समारोह

उज्जैन। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना द्वारा 8 और 9 मार्च 2025 को च्वाईस कॉलेज, पुणे (महाराष्ट्र) में द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय समारोह आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में राष्ट्रीय संगोष्ठी, अखिल भारतीय बहुभाषी कवि सम्मेलन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं लोकमाता अहिल्यादेवी नारीशक्ति सम्मान समारोह प्रमुख रूप से शामिल होंगे। राष्ट्रीय कार्यालय प्रमुख डॉ. प्रभु चौधरी उज्जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष यह आयोजन लोकमाता अहिल्यादेवी महेश्वर (इंदौर) की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेष रूप से किया जा रहा है। इस अवसर पर शिक्षा, साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को लोकमाता अहिल्यादेवी नारीशक्ति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

यह आयोजन दो दिनों तक पांच सत्रों में चलेगा। शुभारंभ सत्र दोपहर 2 बजे से रहेगा, जिसके मुख्य अतिथि श्री चवाकुल रामकृष्ण राव (अध्यक्ष, हिंदीप्रेमी मंडल, हैदराबाद), विशिष्ट अतिथि डॉ. भावना गुप्ता (साहित्यकार, पुणे), मुख्य वक्ता डॉ. प्रभु चौधरी (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष) होंगे, जबकि सत्र की अध्यक्षता डॉ. आफताब अनवार शेख (प्राचार्य) करेंगे। प्रस्तावना श्रीमती सुवर्णा जाधव (राष्ट्रीय मुख्य संयोजक, पुणे) देंगी और संयोजक की भूमिका डॉ. शहेनाज शेख (राष्ट्रीय महासचिव, नांदेड) निभाएंगी। इसके बाद सायं 4 बजे राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होगा, जिसमें ÷अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का संदर्भ एवं उपयोगिता÷ विषय पर चर्चा होगी। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री सुधीर मिश्र (सहज साहित्यकार, पुणे) होंगे, विशेष अतिथि के रूप में डॉ. निर्मलासिंह राजपूत (प्रदेश संयोजक) और डॉ. बालासाहेब तोरस्कर (प्रदेश अध्यक्ष) उपस्थित रहेंगे। इस सत्र की मुख्य वक्ता श्रीमती सुवर्णा जाधव (राष्ट्रीय मुख्य संयोजक, पुणे) होंगी और अध्यक्षता डॉ. अरूणा शुक्ला (राष्ट्रीय संयोजक) करेंगी। इसी दिन सायं 6 बजे अखिल भारतीय बहुभाषी कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि श्री संतोष तावड़े (कवि, ठाणे, महाराष्ट्र) होंगे, अध्यक्षता श्रीमती सुवर्णा जाधव (राष्ट्रीय मुख्य संयोजक, पुणे) करेंगी और संयोजक डॉ. मुमताज पठान (पुणे) होंगी।

जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद 2025 का होगा आयोजन

उज्जैन। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार विकसित भारत युवा संसद (यूथ पार्लियामेन्ट) 2025 का आयोजन शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन में किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजन एवं मेजबानी हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं महाविद्यालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए है। विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम 2025 में चयनित विषय पर युवा प्रतिभागी को अपने विचार रखने का अवसर प्रदान किया जायेगा। इस प्रतियोगिता हेतु युवाओ की आयु 24 फरवरी 2025 को 18 से 25 वर्ष निर्धारित की गई है।

रश्मि जैन अध्यक्ष और मेघा बाकलीवाल सचिव नियुक्त

उज्जैन। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री चन्द्र प्रभ भक्तांबर महिला मंडल के नवीन पदाधिकारियों का निर्विरोध चयन सौहार्द पूर्ण वातावरण में हुआ। जिसमें सर्वानुमति से रश्मि जैन अध्यक्ष, मेघा बाकलीवाल सचिव एवं रचना जैन कोषाध्यक्ष चुनी गई।

पूर्व अध्यक्ष कल्पना चौधरी और सचिव रश्मि जैन ने बताया कि 6 मार्च को श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के दिन सभी महिलाओं ने भक्तांबर का सामूहिक पाठ किया। तत्पश्चात नवीन अध्यक्ष एवं सचिव की शपथ ग्रहण समारोह में शपथ अधिकारी इंद्रा कांसल एवं साधना जैन डेजी ने विधि पूर्वक अतिथि भवन नमकमंडी में सम्पन्न करवाई। इस अवसर पर सभी पूर्व अध्यक्ष अनिता जैन, संगीता रावत, साधना जैन, मोनिका बाकलीवाल, आभा गंगवाल, राज श्री जैन, इंद्रा गंगवाल, कल्पना चौधरी आदि उपस्थित थे। शपथ के पश्चात् नीतू जैन और रिंकी जैन द्वारा मनोरंजक गेम खिलवाए गए जिसमें विजेताओं को ज्योति जैन, राधा जैन ने सम्मानित किया तत्पश्चात सभी ने स्वादिष्ट भोजन किया। जैन समाज में विगत 15 वर्षो से श्री चन्द्र प्रभ भक्तांबर महिला मंडल समाजिक, धार्मिक और सेवा प्रकल्प की गतिविधियों के साथ जिन धर्म प्रभावना के कार्य में सदैव अग्रणी रहकर कार्य कर रहा हैं, जब भी शहर में मुनिराज या आर्यिका संघ का चातुर्मास हो महिला मण्डल उनके आहार, विहार, व्यावृत्ति और अन्य कार्यों में सदैव तत्पर रहता हैं।

आचार्य शैलेंद्र पाराशर का सारस्वत सम्मान

अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता 2025 का भव्य आयोजन

उज्जैन। अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता '2025 का आयोजन मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ द्वारा किया गया। जिसमें मेवाड़ विश्वविद्यालय के डायरेक्टर गोविंद लाल गदिया ने समापन सत्र के अध्यक्ष आचार्य शैलेंद्र पाराशर का शाल, उत्तरीय, पगड़ी पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सारस्वत सम्मान किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता के शुभारंभ पर निकाले गयें चल समारोह का नेतृत्व प्रसिद्ध शिक्षाविद्, मार्गदर्शक एवं प्रेरक वक्ता फैजल खान सर ने किया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, डॉ अशोक कुमार गदिया, कुलपति प्रो. . आलोक मिश्रा, प्रतिकुलपति प्रो. लोकेश शर्मा बोर्ड ऑफ़ मैनेजमेंट के डायरेक्टर, आर. के .गदिया, विश्वविद्यालय के अधिकारी, संकाय सदस्य देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागी, एनसीसी कैडेट एवं एनएसएस के स्वयंसेवक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर सफल बनाया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा खान सर को मानद डॉक्टरेट (पीएच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई। इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय था ÷क्या हमारा संविधान भारत के नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरा है?÷। यह विषय भारतीय लोकतंत्र की मूलभूत संरचना एवं नागरिक अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन पर केंद्रित रहा, जिसमें देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों ने अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए। भारतीय संविधान की व्याख्या, उसके महत्व एवं उसे लागू करने में आने वाली चुनौतियों पर केंद्रित रहा। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर विश्वविद्यालय एवं शिक्षण संस्थानों के लगभग 300 से प्रतिभागियों ने सहभागिता कर वाद विवाद प्रतियोगिता को सफल बनाया।

अतिथि वक्ता 4पी.एम. के संपादक संजय शर्मा ने मीडिया की निष्पक्षता, राजनीति में पारदर्शिता, एवं जाति-धर्म के आधार पर बढ़ती सामाजिक विभाजन की समस्याओं पर विचार रखे। उन्होंने युवाओं को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा एवं कुलाधिपति डॉ. अशोक गदिया ने भी छात्रों को सफलता के मूल मंत्र प्रदान किए एवं समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्रतियोगिता संपन्न होने के पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि बजरंग मुनि, आर. पी. सिंह एवं मंचासीन अतिथियों ने विजेताओं को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। अध्यक्षीय प्रेरक उद्बोधन आचार्य शैलेंद्र पाराशर ने दिया ।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. डॉ. लोकेश शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के शैक्षणिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता 2025 के सफल बनाने में प्रतिकुलपति प्रो. लोकेश शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। एक यादगार देश में होने वाली वाद विवाद प्रतियोगिता सहभागिता करने वाले युवा वक्ताओं, निर्णयाकों, अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं श्रोताओं के लिए एक प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं सहभागिता का आनंदायकक्ष अभिनव अनुभव रहा।

संत सत्कार समिति ने किया महामण्डलेश्वर विकासदास महाराज का सम्मान

उज्जैन। जगद्गुरुरामानंदाचार्य श्रीश्री 1008 विकासदास जी महाराज दिगंबर अखाड़ा (केंद्र शासन द्वारा राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) के अल्प प्रवास पर उज्जैन आगमन पर संत सत्कार समिति द्वारा स्थानीय महामृत्युंजय द्वार पर स्वागत किया गया।

संस्था संरक्षक प्रकाश चित्तौडा ने बताया कि महाराजश्री विश्व कल्याण की कामना से ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल का अनुष्ठान करने पधारे थे। संस्था अध्यक्ष श्याम माहेश्वरी, सचिव भगवान शर्मा, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता, चिंतामण राठौर, दिनेश महाजन, सुगंध श्रीवास्तव, सुभाष दुबे, डॉ राकेश भार्गव, रवीन्द्र मुले व अशोक मुंदड़ा ने महाराज श्री का सम्मान कर आशीर्वाद लिया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com